परिशिष्ट "A"

पाठ्यक्रम संरचना

कक्षा – 12वीं

विषय – राजनीति विज्ञान (103)

सैद्धांतिक – 80

पूर्णांक – 100

प्रायोजना – 20

स.क्र.	इकाई एवं पाठ्यवस्तु	आबंटित अंक		कालखण्ड
	(A) समकालीन विश्व राजनीति	**40**		**100**
1.	1. दो ध्रुवीयता का अंत	06		16
2.	2. सत्ता के समकालीन केन्द्र	06	12	31
3.	3. समकालीन दक्षिण एशिया	06		
4.	4. अंतर्राष्ट्रीय संगठन	06	12	31
5.	5. समकालीन विश्व में सुरक्षा	06		
6.	6. पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधन	06	10	22
7.	7. वैश्वीकरण	04		
	(B) स्वतंत्र भारत में राजनीति	**40**		**100**
8.	8. राष्ट्र निर्माण की चुनौतियां	06	12	36
9.	9. एक दल के प्रभुत्व का दौर	04		
10.	10. नियोजित विकास की राजनीति	02		
11.	11. भारत के विदेश संबंध	06		13
12.	12. कांग्रेस प्रणाली : चुनौतियाँ एवं पुर्नस्थापना	04	08	24
13.	13. लोकतांत्रिक व्यवस्था का संकट	04		
14	14. क्षेत्रीय आकाक्षाएँ	06	14	27
15.	15. भारतीय राजनीति : नए बदलाव	08		
	कुल योग	**80**		**200**
	प्रायोजना कार्य	**20**		**20**
	महायोग	**100**		**220**

परिशिष्ट "B"

प्रश्नपत्र योजना
कक्षा – 12वीं
विषय – राजनीति विज्ञान (103)

कुल अंक – 80 समय – 03:00 घण्टे

"A"-प्रश्नानुसार अंक विभाजन

क्र.	प्रश्नों के प्रकार	वस्तुनिष्ठ (MCQ/ VSA) 01	लघु उत्तरीय (SA-I) 02	लघु उत्तरीय (SA-II) 03	दीर्घ उत्तरीय (LA) 05	अति दीर्घ उत्तरीय (VLA) 06	कुल अंक	% अधिभार
1.	ज्ञानात्मक परिभाषा, सिद्धांत, तथ्यों को पहचानना, सूचना इत्यादि पर आधारित स्मरण क्षमता पर आधारित प्रश्न	06	01	01	01	-	16	20%
2.	अवबोधात्मक अर्थ, व्याख्या, अंतर स्पष्ट करना, वैचारिक समझ, भावानुवाद	02	02	01	01	01	20	25%
3.	अनुप्रयोगात्मक उदाहरण सहित/संदर्भ और समझ के आधार पर दी गई नयी परिस्थितियों को समझना/सिद्धांत के समाधान/हल निकालना	01	01	02	01	01	20	25%
4.	विश्लेषणात्मक व संश्लेषणात्मक (HOTS) वर्गीकरण, तुलनात्मक, व्याख्या विभिन्न स्त्रोंतो पर आधारित विशेष जानकारी को समाहित करना/एकीकीरण/सुसंगठित करना	-	01	-	-	01	08	10%
5.	मूल्यांकन मूल्यों की व्याख्या, निष्कर्ष निकालना, पूर्वानुमान	01	01	-	01	-	08	10%
6.	रचनात्मक नक्शा कौशल आधारित प्रश्न पहचान, स्थिति महत्व	-	-	01	01	-	08	10%
	योग	1(10)=10	2(6)=12	3(5)=15	5(5)=25	6(3)=18	80 (19+1(10)	100%

"B"-प्रश्नानुसार विभाजन

क्र.	प्रश्नों के प्रकार	प्रत्येक प्रश्न पर आबंटित अंक	कुल प्रश्न	कुल अंक
1.	वस्तुनिष्ठ (MCQ/VSA)	01	01(10)	10
2.	लघुउत्तरीय (SA-I)	02	06	12
3.	लघुउत्तरीय (SA-II)	03	05	15
4.	दीर्घउत्तरीय (LA)	05	05	25
6.	अति दीर्घउत्तरीय (VLA)	06	03	18
		योग	19+1(10)=20	80

"C"- कठिनाई स्तर अनुसार विभाजन

क्र.	कठिनाई स्तर	कुल अंक	प्रतिशत
1.	सरल (E)	24	30%
	औसत (AV)	40	50%
	कठिन (D)	16	20%
	योग	80	100%

ब्लूप्रिंट

कक्षा – 12वीं

विषय – राजनीति विज्ञान (103)

कुल अंक – 80 समय – 03:घण्टे

क्र	इकाई एवं पाठ्यवस्तु ↓	अंको का अधिभार ↓	वस्तुनिष्ठ (MCQ/ VSA)	लघु उत्तरीय (VSA-I)	लघु उत्तरीय (SA-II)	दीर्घ उत्तरीय (LA)	अति दीर्घ उत्तरीय (VLA)	कुल अंक	प्रश्नों की कुल संख्या
		अंक ⟶	01	02	03	05	06		
1.	1. दो ध्रुवीयता का अंत	06	01	-	-	01*	-	06	1(1)
2.	2. सत्ता के समकालीन केन्द्र	12	01	01	01	-	-	06	2(1)
3.	3. समकालीन दक्षिण एशिया		01	-	-	01*	-	06	1(1)
4.	4. अंतर्राष्ट्रीय संगठन	12	-	-	-	-	01*	06	1(0)
5.	5. समकालीन विश्व में सुरक्षा		01	-	-	01*	-	06	1(1)
6.	6.पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधन	10	-	-	02	-	-	06	2(0)
7.	7. वैश्वीकरण		-	02	-	-	-	04	2(0)
		40							
	(B) स्वतंत्र भारत में राजनीति								
8.	8. राष्ट्र निर्माण की चुनौतियां	12	01	-	-	01*	-	06	1(1)
9.	9. एक दल के प्रभुत्व का दौर		01	-	01	-	-	04	1(1)
10.	10.नियोजित विकास की राजनीति		-	01	-	-	-	02	1(0)
11.	11. भारत के विदेश संबंध	06	-	-	-	-	01*	06	1(0)
12.	12. कांग्रेस प्रणाली : चुनौतियाँ एवं पुर्नस्थापना	08	02	01	-	-	-	04	1(2)
13.	13.लोकतांत्रिक व्यवस्था का संकट		01	-	01	-	-	04	1(1)
14	14. क्षेत्रीय आकाक्षाएँ	14	-	-	-	-	01*	06	1(0)
15.	15.भारतीय राजनीतिः नए बदलाव		01	01	-	01*	-	08	2(1)
	योग	80	1(10)=10	2(6)=12	3(5)=15	5(5)=25	6(3)=18	80	19+1 10)

नोट :– (i) प्रश्न क्र0–1 के दो खण्ड होंगे। खण्ड "अ" में बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQ) तथा खण्ड "ब" में अतिलघुउत्तरीय (VSA) प्रश्न होगें।

(ii) *तारांकित प्रश्नों में विकल्प दिये जावेंगे।

(iii) कोष्ठक के बाहर की संख्या अंको दर्शाती है तथा कोष्ठक के अंदर की संख्या प्रश्नों की संख्या को दर्शाती है।

(iv) नक्शा/चित्र आधारित 05 अंक का एक प्रश्न अनिवार्यतः दिया जाये।

परिशिष्ट – "C-01"

प्रश्नपत्र संरचना
कक्षा – 12वीं
विषय – राजनीति विज्ञान (103)

कुल अंक – 80 **समय : 03 घण्टे**

1. प्रश्न क्र0–1 वस्तुनिष्ठ प्रश्न है जिसमें दो खण्ड होंगे :–
   (i) **"खण्ड–अ" में 05** बहुविकल्पीय (MCQ) प्रश्न होगें। प्रत्येक में 01 अंक निर्धारित है।
   (ii) **खण्ड–"ब" में 05** अतिलघुउत्तरीय (VSA) प्रश्न होगें। प्रत्येक में 01 अंक निर्धारित है।
2. प्रश्न क्र0–02 से प्रश्न क्र. 07 तक लघुउत्तरीय (SA-I) प्रश्न होगें, जिसमें प्रत्येक में **02** अंक निर्धारित है। शब्द सीमा 30 शब्द
3. प्रश्न क्र0– 08 से प्रश्न क्र0 12 तक लघुउत्तरीय (SA-II) प्रश्न होगें, जिसमें प्रत्येक में **03** अंक निर्धारित है। शब्द सीमा 50 शब्द
4. प्रश्न क्र0 13 से प्रश्न क्र0 17 तक दीर्घउत्तरीय (LA) प्रश्न होगें, जिसमें प्रत्येक में **05** अंक निर्धारित है। शब्द सीमा 100–150 शब्द
5. प्रश्न क्र0 18 से प्रश्न क्र0 20 तक अति दीर्घउत्तरीय (VLA) प्रश्न होगें, जिसमें प्रत्येक में **06** अंक निर्धारित है। शब्द सीमा 150–200 शब्द

पाठ्यक्रम
कक्षा – XII
विषय–राजनीति विज्ञान (103)

सैद्धांतिक अंक–80 **समय–3 घंटे**

भाग–I समकालीन विश्व राजनीति –(40 अंक)

अध्याय 1. दो ध्रुवीयता का अंत 06 अंक 16 कालखण्ड

परिचय, सोवियत प्रणाली क्या थी? गोर्बाचेव और सोवियत संघ का विघटन, सोवियत संघ का विघटन क्यों हुआ? विघटन की परिणतियाँ, साम्यवादी शासन के बाद शॉक थेरेपी 'शाक थेरेपी' के परिणाम, संघर्ष और तनाव, पूर्व साम्यवादी देश और भारत।

अध्याय 2. सत्ता के समाकालीन केन्द्र 06 अंक 15 कालखण्ड

परिचय, यूरोपीय संघ, दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों का संगठ़न (आसियान), चीनी अर्थव्यवस्था का उत्थान, चीन के साथ भारत के संबंध, जापान, दक्षिण कोरिया।

अध्याय 3. समकालीन दक्षिण एशिया 06 अंक 16 कालखण्ड

परिचय, क्या है दक्षिण एशिया? पाकिस्तान में सेना और लोकतंत्र, बांग्लादेश में लोकतंत्र, नेपाल मे राजतंत्र और लोकतंत्र, श्रीलंका में जातीय संघर्ष और लोकतंत्र, भारत– पाकिस्तान संघर्ष, भारत और उसके अन्य पड़ोसी देश, शांति और सहयोग।

अध्याय 4. अंतर्राष्ट्रीय संगठ़न 06 अंक 15 कालखण्ड

परिचय, हमें अंतर्राष्ट्रीय संगठन क्यों चाहिये? संयुक्त राष्ट्रसंघ का विकास, शीतयुद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्रसंघ में सुधार–प्रक्रियाओं और ढाँचे में सुधार, संयुक्त राष्ट्रसंघ का न्यायाधिकार, संयुक्त राष्ट्रसंघ में सुधार और भारत, एक–ध्रुवीय विश्व में संयुक्त राष्ट्रसंघ।

अध्याय 5. समकालीन विश्व में सुरक्षा 06 अंक 16 कालखण्ड

परिचय, सुरक्षा क्या है? पारंपरिक धारणा–बाहरी सुरक्षा, पारंपरिक धारणा– आंतरिक सुरक्षा, सुरक्षा के पारंपरिक तरीके, सुरक्षा की अपारंपरिक धारणा, खतरे के नये स्त्रोत,मानवाधिकार, सहयोग–मूलक सुरक्षा, भारत–सुरक्षा की रणनीतियाँ।

अध्याय 6. पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधन 06 अंक 11 कालखण्ड

परिचय, वैश्विक राजनीति में पर्यावरण की चिंता क्यों? विश्व की साझी संपदा की सुरक्षा, साझी परंतु अलग– अलग जिम्मेदारियाँ, साझी संपदा, पर्यावरण के मसले पर भारत का पक्ष, पर्यावरण आंदोलन – एक या अनेक, संसाधनों की भू – राजनीति, मूलवासी (Indigenous People) और उनके अधिकार ।

अध्याय 7. वैश्वीकरण 04 अंक 11 कालखण्ड

परिचय, वैश्वीकरण की अवधारणा, वैश्वीकरण के कारण, राजनीतिक प्रभाव, आर्थिक प्रभाव, सांस्कृतिक प्रभाव, भारत और वैश्वीकरण, वैश्वीकरण का प्रतिरोध, भारत और वैश्वीकरण का प्रतिरोध।

<u>भाग–II स्वतंत्र भारत में राजनीति –</u> (40 अंक)

अध्याय 8. राष्ट्र निर्माण की चुनौतियाँ – 06अंक 12 कालखण्ड

नए राष्ट्र की चुनौतियाँ– तीन चुनौतियाँ, विभाजनः विस्थापन और पुनर्वास– विभाजन की प्रक्रिया, विभाजन के परिणाम, रजवाड़ों का विलय– समस्या, सरकार का नज़रिया, हैदराबाद, मणिपुर, राज्यों का पुनर्गठन।

अध्याय 9. एक दल के प्रभुत्व का दौर 04अंक 12 कालखण्ड

लोकतंत्र स्थापित करने की चुनौती, पहलें तीन चुनावों में कांग्रेस का प्रभुत्व, सोशलिस्ट पार्टी, कांग्रेस के प्रभुत्व की प्रकृति कांग्रेस एक सामाजिक और विचारधारात्मक गठबंधन के रुप में कम्युनिस्ट पार्टी आँफ इंडिया, गुटों में तालमेल और सहनशीलता, भारतीय जनसंघ, विपक्षी पार्टियों का उद्‌भव, स्वतंत्र पार्टी।

अध्याय 10. नियोजित विकास की राजनीति 02 अंक 12 कालखण्ड

राजनीतिक फैसले और विकास, राजनीतिक टकराव, विकास की धारणाएँ, योजना आयोग, नियोजन, शुरुआती कदम प्रथम पंचवर्षीय योजना, आद्योगीकरण की तेज रफ्तार, मुख्य विवाद– कृषि बनाम उद्योग, निजी क्षेत्र बनाम सार्वजनिक क्षेत्र, मुख्य परिणाम– बुनियाद, भूमि सुधार, खाद्य संकट, हरित क्रांति, बाद के बदलाव।

अध्याय 11. भारत के विदेश संबंध 06 अंक 13 कालखण्ड

अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ, गुटनिरपेक्षता की नीति, नेहरू की भूमिका, दो खेमों से दूरी, एफ्रो एशियाई एकता, चीन के साथ शांति और संघर्ष, चीन का आक्रमण, 1962, तिब्बत, पाकिस्तान के साथ युद्ध और शांति, बांग्लादेश युद्ध, 1971, भारत की परमाणु नीति।

अध्याय 12. कांग्रेस प्रणालीः चुनौतियाँ और पुनर्स्थापना 04 अंक 12 कालखण्ड

राजनीतिक उत्तराधिकार की चुनौती– नेहरू के बाद शास्त्री, शास्त्री के बाद इंदिरा गाँधी, चौथा आम चुनाव, 1967–चुनावों का संदर्भ, गैर– कांग्रेसवाद, चुनाव का जनादेश, गठबंधन, दल–बदल, कांग्रेस में विभाजन, इंदिरा बनाम सिंडिकेट, राष्ट्रपति पद का चुनाव, 1969, 1971 का चुनाव और कांग्रेस का पुनर्स्थापन– मुकाबला, परिणाम और उसके बाद ....., कांग्रेस प्रणाली का पुनर्स्थापन

अध्याय 13. लोकतांत्रिक व्यवस्था का संकट 04 अंक 12 कालखण्ड

आपातकाल की पृष्ठभूमि–आर्थिक संदर्भ, गुजरात और बिहार के आंदोलन, नक्सलवादी आंदोलन, न्यायपालिका से संघर्ष, आपातकाल की घोषणा, संकट और सरकार का फैसला, परिणाम, आपातकाल के संदर्भ में विवाद, क्या 'आपातकाल' जरूरी था? आपातकाल के दौरान क्या–क्या हुआ? आपातकाल के सबक, आपातकाल के बाद की राजनीति, लोकसभा के चुनाव–1977, जनता सरकार, विरासत।

अध्याय 14. क्षेत्रीय आकांक्षाएँ 06 अंक 13 कालखण्ड

क्षेत्र और राष्ट्र, भारत सरकार का नजरिया, तनाव के दायरे, जम्मू एवं कश्मीर–समस्या की जड़ें, द्रविड़ आंदोलन, बाहरी और आंतरिक विवाद, राजनीतिः 1948 के बाद से, विद्रोही तेवर और उसके बाद, 2002 और इससे आगे और उसके बाद, पंजाब–राजनीतिक संदर्भ, हिंसा का चक्र, शांति की ओर, पूर्वोत्तर, स्वायत्तता की मांग, अलगाववादी आंदोलन, बाहरी लोगों के खिलाफ़ आंदोलन, समाहार और राष्ट्रीय अखंडता, गोवा की मुक्ति

अध्याय 15. भारतीय राजनीतिः नए बदलाव 08 अंक 14 कालखण्ड

1990 का दशक, गठबंधन का युग, कांग्रेस का पतन, केन्द्रीय सरकार 1989 के बाद, गठबंधन की राजनीति, अन्य पिछड़ा वर्ग का राजनीतिक उदय, मंडल का लागू होना, मंडल आयोग, राजनीतिक परिणाम, सांप्रदायिकता, धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र, अयोध्या विवाद, विध्वंस और उसके बाद, एक नयी सहमति का उदय, 2004 के लोकसभा चुनाव, बढ़ती सहमति 17वीं लोकसभा में विभिन्न दलों की स्थिति।

योग	80	200
प्रायोजना	20	20
महायोग	100	220

परिशिष्ट – "A-01"

प्रायोजना कार्य

कक्षा – 12वीं

विषय – राजनीति विज्ञान (103)

कुल अंक – 20 समय – 02:00 घण्टे

मूल्यांकन योजना

स.क्र.	विषयवस्तु	अंक	
1.	प्रायोजना रिकार्ड	04	
2.	प्रायोजना कार्य/परीक्षा		
	(i) प्रस्ताव, सहयोगिता एवं सहभागिता	02	12
	(ii) प्रस्तुतीकरण में सृजनात्मकता	02	
	(iii) विषयवस्तु, अवलोकन एवं अनुसंधान कार्य	04	
	(iv) परिस्थितियों का विश्लेषण	04	
3.	मौखिक (Viva)	04	
	कुल अंक –	20	

टीप :– (i) प्रोजेक्ट कार्य, व्यक्तिगत/सामूहिक (4–5 का समूह) हो सकता है।

(ii) प्रोजेक्ट कार्य, पाठ्यक्रम में दिये गये किसी भी पाठ्यवस्तु से संबंधित हो सकता है। न्यूनतम 02 प्रायोजना रिकार्ड में अवश्य ही संधारित करायी जाये।

भूमिका/प्रहसन/प्रस्तुतीकरण/प्रादर्श/क्षेत्रीय सर्वे/मांक्र ड्रिल/माक इंवेट/दिखावटी घटना/ वार्तालाप निर्वहन गतिविधि।

(iii) विषय शिक्षक पाठ्यक्रमानुसार, आवश्यकतानुसार विषय का चयन कर विद्यार्थियों से प्रायोजना कार्य करा सकते है।

(iv) प्रायोजना कार्ययोजना पाठ्यक्रमानुसार पूर्ववत् है।

प्रायोजना कार्य

सत्र – 2023–24

कक्षा – XII

विषय – राजनीति शास्त्र (103)

समय : 02 घण्टा   पूर्णांक : 20 अंक

प्रायोजना कार्य का उद्देश्य :–

1. विद्यार्थियों में विषय विशेष के प्रति शोधकार्य की रूचि जागृत करना।
2. विद्यार्थियों में व्यक्तिगत तार्किक क्षमता, विषयवस्तु अनुरूप ज्ञान, कौशल में दक्षता लाना।
3. सैद्धांतिक निर्माणों और तर्कों का उपयोग करके वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों का विश्लेषण और मूल्यांकन क्षमता विकसित करना।
4. एक स्वतंत्र और रचनात्मक शोधकार्य, कौशल और क्षमताओं के अनुप्रयोग को प्रदर्शित करने की क्षमता का विकास।
5. राजनीति विज्ञान की विभिन्न विषयवस्तु जिसमें विद्यार्थियों की रूचि है के प्रति तार्किक क्षमता/संवाद कौशल का विकास करना।

- प्रायोजना कार्य के महत्त्वपूर्ण पद

प्रायोजना कार्य हेतु चयनित शीर्षक में निम्नानुसार पद होना चाहिए :–

1. शीर्षक/विषय का चयन करना।
2. आवश्यक सामग्री।
3. शोध सामग्री/आकड़े एकत्र करना।
4. सामग्री/ आकड़े व्यवस्थित करना।
5. प्रायोजना कार्य की प्रस्तुति/आकड़े का विश्लेषण/कार्यविधि।
6. प्रासंगिक आंकड़े, चार्ट, नक्शा व चित्र का समावेश।
7. प्रासंगिक निष्कर्ष निकालना।

- प्रायोजना कार्य में शिक्षक की भूमिका :–

विद्यार्थियों में चिंतन/मनन कौशल को विकसित करनें में शिक्षक की एक महत्वपूर्ण भूमिका होती है। एक शिक्षक को चाहिए कि वह :–

1. प्रायोजना के माध्यम से प्राप्त किए जाने वाले सीखने के प्रतिफल को शिक्षार्थियों के साथ साझा करना।
2. विस्तृत चर्चा और प्रासंगिक विषय पर विचार–विमर्श के बाद प्रत्येक छात्र को विषय चुनने में मदद करना।

3. छात्र के प्रायोजना कार्य के चयन और अवलोकन, मार्गदर्शन हेतु एक सूत्रधार की भूमिका निभाना।
4. आवश्यकतानुसार अनुसंधान कार्य का मार्गदर्शन करना।
5. प्रायोजना कार्य की प्रस्तुति के लिए विद्यार्थी को तैयार करना।
6. प्रायोजना फाइल की प्रस्तुति की व्यवस्था करना।

- प्रायोजना कार्य के लिए अपेक्षित चेकलिस्ट :-

1. विषय/शीर्षक का परिचय।
2. कारणों घटनाओं, परिणामों या उपचारों की पहचान।
3. विभिन्न हितधारक और उनमें से प्रत्येक पर प्रभाव।
4. पहचानी गई स्थितियों या विषयों के लाभ व हानि।
5. प्रायोजना के दौरान सुझाई गई रणनीतियों के अल्प व दीर्घकालिक परिणाम।
6. प्रायोजना कार्य और प्रस्तुतीकरण के लिए उपयोग किए गये आकड़ों की वैधता, विश्वसनीयता और प्रासंगिकता।
7. प्रस्तुति और लेखन जो प्रोजेक्ट फाइल में संक्षिप्त और सुसंगत है।
8. प्रोजेक्ट फाईल में अनुक्रमणिका, संसाधन अनुभाग, ग्रंथ सूची आदि में संदर्भित सामग्री का समावेश।

कक्षा – XII
विषय – राजनीति शास्त्र (103)
प्रायोजना कार्य

पूर्णांक – 20 अंक

- सामान्य विवरण –

1. सम्पूर्ण शैक्षणिक सत्र में प्रायोजना कार्य हेतु किसी एक विषय/शीर्षक का चयन किया जाना है।
2. प्रोजेक्ट व्यक्तिगत या 4–5 लोगों के समूह में विषयवस्तु के अनुरूप बनाया जा सकता है।
3. प्रायोजना कार्य गतिविधि आधारित जैसे 01 रोलप्ले/भूमिका/प्रस्तुतीकरण/मॉडल/क्षेत्रीय सर्वे, मॉक ड्रिल, मॉक इवेन्ट हो।
4. शिक्षक को प्रोजेक्ट कार्य के तैयारी हेतु विद्यार्थियों को एक समय–सीमा निर्धारित कर पर्याप्त समय देना चाहिए। प्रायोजना कार्य संबंधित विद्यार्थियों की जिज्ञासा/समस्याओं पर शिक्षक द्वारा समय–समय पर चर्चा एवं मार्गदर्शन किया जाना चाहिए।

- प्रायोजना के अध्याय :–

1. शीतयुद्ध का दौर
2. सत्ता के वैकल्पिक केन्द्र
3. समकालीन दक्षिण एशिया
4. अन्तर्राष्ट्रीय संगठन
5. पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधन
6. एक दल के प्रभुत्व का दौर
7. भारत के विदेश संबंध
8. जन आन्दोलनों का उदय

- सुझावित प्रायोजना :–

1. शीतयुद्ध के कारणों का विश्लेषण करते हुए महाशक्तियों द्वारा बनाये गये सैन्य संगठन के नाम एवं संगठन में शामिल देशों के सूचीबद्ध कर प्रायोजना तैयार करना।
2. भारत ने आजादी के बाद गुट निरपेक्ष नीति क्यों अपनाई? किसी एक महाशक्ति के साथ रहने पर हमें किन परेशानियों से गुजरना पड़ता? सूची बनाकर प्रोजेक्ट तैयार करना।
3. यूरोपीय संघ की विशेषताओं का चार्ट बनाकर प्रायोजना तैयार करें तथा बताईये कि ऐसी क्या विशेषताएँ है जो यूरोपीय संघ को एक प्रभावी क्षेत्रीय संगठन बनाती हैं? यूरोपीय संघ की भविष्य में क्या भूमिका हो सकती है?
4. सार्क संगठन पर प्रायोजना तैयार करते हुए बताइए कि सार्क ने किस प्रकार की भूमिका अदा की है?
5. सुरक्षा परिषद के स्थायी एवं अस्थायी सदस्यों को सूचीबद्ध कर उनकी कार्यप्रणाली की खामियाँ बताइये तथा सुरक्षा परिषद में सुधार हेतु सुझाव दीजिए।

6. "पर्यावरण प्राकृतिक प्रदूषण से वैश्विक महामारी कोविड–19 जैसी घातक बीमारियाँ फैली है।" दूषित पर्यावरण से होने वाली प्रमुख बीमारियों व रोकथाम के उपाय पर प्रायोजना।
7. भारत की विदेश नीति का एक फ्लो चार्ट बनाइए तथा वर्तमान परिवेश में आप किन दो बातों को भारतीय विदेश नीति में बदलाना चाहेगें?
8. स्वतंत्रता प्राप्ति पश्चात् भारत में चलाए गए जनआंदोलन व उसका प्रभाव पर प्रायोजना।

टीप :– 1. उक्त सुझावित प्रायोजनाएँ उदाहरण स्वरूप है। सत्रगत कोई एक प्रायोजना का चयन कर उस पर विस्तृत प्रायोजना कार्य निर्देशानुसार कराया जाए।

2. शिक्षक विषयवस्तु/ पाठ्यक्रम आधारित आवश्यकतानुसार विषय चयन कर विद्यार्थियों को दे सकता है। किन्तु यह ध्यान रखा जाये कि वह किसी भी धर्म/जाति/व्यक्तिगत भावनाओं को ठेस न पहुँचाता हो।

——00——